পাঠ 10
পাঠ

সিনেমা দেখিনি

ভানু : হ্যালো বিজনবাবু, কাল আপনার বাড়ি গিয়েছিলাম।

বিজন : ও! তাম্প নাকি। শুনে খুব খারাপ লাগছে। আমরা কাল চারটৈ সময় বাম্পরে চলে গিয়েছিলাম। আপনি কি একাম্প এসেছিলেন?

ভানু : না, আমরা সবাম্প মিলে গিয়েছিলাম।

বিজন : আপনি আসার আগে টৈলিফোন করলেন না কেন?

ভানু : হঠাৎম্প চলে গেলাম। অনেকদিন যাম্পনি তাম্প।

বিজন : কাল বিকেলে আনন্দ এসেছিল, ওকে তো আপনি জানেন। ও 'নীলকণ্ঠ' সিনেমার তিনটৈ টিকি

এনেছিল। এসেম্প বলল,

फिल्म नहीं देखी थी

भानु : हैलो, विजनबाबू, कल मैं आपके घर गया था।

विजन: ओह! ऐसा है? सुनकर बहुत बुरा लग रहा है। हम कल चार बजे बाहर चले गए थे। क्या आप अकेले ही आए थे?

भानु : नहीं, हम सब आए थे।

विजन: आपने आने के पहले टेलीफोन क्यों नहीं कर लिया?

भानु : अचानक चल पड़े। बहुत दिनों से आए नहीं थे न, तभी।

विजन : कल शाम आनंद आया था। उसे तो आप जानते हैं। वह 'नीलकंठ' फिल्म के तीन टिकट कटवाकर लाया था।

आते ही बोला, जल्दी चलिए। हमने

তাড়াতাড়ি চলুন। অবশ্য আমরা অনেকদিন সিনেমা দেখিনি। এজন্য একসঙ্গে গেলাম।

ভানু : আমরা সিনেমা গত সপ্তাহেম্প দেখেছি। অপর্ণা দারুণ অভিনয় করেছে। সেদিন ভয়ঙ্কর ভীড় ছিল। নেহাতম্প আগে থেকে টিকি কাটা ছিল। তাম্প রক্ষে।

বিজন : আচ্ছা, কাল তো দেখা হল না। আজ সবাম্প মিলে আসুন না।

ভানু : আজ?

বিজন : কেন আজ কি কোন সমস্যা আছে?

ভানু : না, অসুবিধে নেম্প। সন্ধ্যে নাগাদ যাচ্ছি। আচ্ছা, (টেলিফোন) এখন রাখছি।

বিজন : আসুন। আপনাদের জন্যে অপেক্ষা করছি।

भी बहुत दिनों से फिल्म नहीं देखा था। इसलिए एक साथ गए थे।

भानु : हमने यही फिल्म पिछले सप्ताह ही देखी थी। अपर्णा ने बहुत ही अच्छा अभिनय किया है। उस दिन बहुत भीड़ थी। पहले से ही टिकट कटवा लिया था। इसलिए बच गए।

विजन: अच्छा, कल तो भेंट नहीं हुई। आज सब लोग आइए न।

भानु : आज?

विजन: क्या आज कोई समस्या है?

भानु : नहीं, कोई समस्या नहीं है। शाम तक आ रहे हैं। अच्छा, (टेलिफोन) रख रहा हूँ।

विजन: आइए, आप लोगों के लिए प्रतीक्षा करता हूँ।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
খারাপ	खराब
	लज्जा की, शर्म की

লজ্জার	আনে के
আসার	লগা
লাগল	পিছলা
গত	অভিনয়
অভিনয়	বচ গए
রক্ষে	শাম তক
সন্ধ্যে নাগাদ	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. আপনি কাল কোথায় গিয়েছিলেন? (খেয়েছিলেন, শুয়েছিলেন)
2. রতন ভাল করে লিখেছিলো। (পড়েছিলো, শুনেছিলো)
3. আমি চিঠি লিখেছিলাম। (দিয়েছিলাম, পেয়েছিলাম)
4. সে বাজারে গিয়েছিলো। (স্টেশনে, হোটেলে)
5. বীনা কাপড় কিনেছিলো। (দিয়েছিলো, কেচেছিলো)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(এসেছিল, গিয়েছিল, পড়েছিলাম, ফিরেছিলেন, খেয়েছিলাম)

1. আমি গতকাল _____।
2. সে গতকাল _____।
3. তিনি রাত্রে বেশী দেরী করে _____।
4. মঞ্জুলা সেদিন দেরী করে _____।
5. আমরা প্রথম শ্রেণীতে এম্প বম্পা _____।

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণঃ

রাম বাজারে গিয়েছে।

রাম বাজারে গিয়েছিলো।

1. আমি ভাত খেয়েছি।
2. রমেশ বেনারসে গিয়েছে।
3. হুমায়ূন কোথায় গিয়েছে?
4. সে রাত্রে বাড়ী ফিরেছে।
5. আপনি কি চিঠি লিখেছেন?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সে দেরাদুনে গিয়েছিলো।
2. আমি রাত্রে ফিরেছিলাম।
3. হানিফ বাংলা শিখেছিলো।
4. রাজেন চিঠি লিখেছিলো।
5. মাষ্টারমশাম্প বস্পৌা দিয়েছিলেন।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি এম্প সিনেমৌা ______________ নি।
2. তুমি কি বস্পৌা ______________?
3. আপনি কি বেনারসে ______________ নি।
4. আমরা অনেকদিন আগে পুরী ______________ ।
5. তিনি বাজারে ______________ নি।

पढ़िए और समझिए।

এক ঝলকে ভুবনেশ্বর — भुवनेश्वर की एक झलक

অনেকদিন আগে, সে প্রায় বিশ বছর হলো প্রথম আমি ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলাম। এখনকার মতো তখন রাস্তায় এত গাড়ী ছিল না। সাম্পকেল রিক্সা ছাড়া আর কিছু দেখতে পাম্পনি। একদিন আমরা কয়েকজন বন্ধু মিলে খণ্ডগিরি ও উদয়গিরি দেখতে গিয়েছিলাম। তারপরের দিন দেখেছিলাম নন্দন কানন। নন্দন কানন একটি চিড়িয়াখানা। কিন্তু জীবজন্তুদের জন্য বেশ কিছু খোলা জায়গা আছে, অন্যান্য চিড়িয়াখানার মতো খাঁচায় ভরা নয়। ভুবনেশ্বরের লিঙ্গরাজ মন্দির খুব বিখ্যাত। ভুবনেশ্বরে অনেক ছৌ ছৌ মন্দির আছে। কেউ কেউ বলেন প্রায় হাজার খানেকের মতো। সব মন্দিরে মূর্ত্তিও নেম্প। ভুবনেশ্বর থেকে পুরী খুবম্প কাছে। বাসে প্রায় দু ঘণ্টার মতো রাস্তা। আমরা পুরীতে দুদিন ছিলাম। পুরী থেকে কোনার্ক গিয়েছিলাম। কোনার্কের মন্দিরের কারুকার্য দেখতে খুব ভাল লেগেছিলো। কোনার্ক থেকে আবার ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলাম। সেখান থেকে ট্রেনে কোলকাতা ফিরেছিলাম।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
বিশ	बीस
বছর	साल, वर्ष
এখনকার	अभी का
চিড়িয়াখানা	चिड़ियाघर
জীবজন্তুদের	जीव-जंतुओं का
খোলা	खुला
খাঁচায়	पिंजरे में
ছৌ	छोटा
হাজার	हज़ार
	नक्काशी
	जल, पानी
	मिलावट

কারুকার্য

জল

ভেজাল

অভ্যাস

I. নীচে দিए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. লেখক কত বছর আগে ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলেন?
2. ভুবনেশ্বরের রাস্তায় গাড়ী তখন কেমন ছিলো?
3. ভুবনেশ্বরের আশে-পাশে লেখক কি কি দেখেছিলেন?
4. ভুবনেশ্বরে কত মন্দির আছে?
5. নন্দন কানন কি জন্যে বিখ্যাত?

II. নীচে দিए गए शब्दों में से समानार्थक शब्दों की पाँच जोड़ियाँ बनाइए।

আগে	প্রতিমা
এখনকার	নিকট
মূর্তি	পূর্বে
খোলা জায়গা	বর্তমান
কাছে	মুক্ত প্রাঙ্গন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

শান্তিনিকেতন 1901 সালে রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর স্থাপন করেছিলেন মাত্র পাঁচ জন ছাত্র নিয়ে। কোলকাতা থেকে শান্তিনিকেতন প্রায় 213 কি.মি. দূরে অবস্থিত। শান্তিনিকেতনের বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রাঙ্গন খুব বড়। সেখানে একটি বিভাগ অপর আর একটি বিভাগ থেকে অনেক দূরে। এখানে বয়স্ক ব্যক্তিগণস্প শিশুদের শিক্ষা দেন। সেখানে পড়াশোনায় কোনো চাপ প্রদান করা হয় না। কারণ, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর মুক্ত মানসিকতা ও উন্মুক্ত পরিবেশে শিক্ষা

দেওয়ার বিশ্বাসী ছিলেন। তাম্প তিনি শান্তিনিকেতন স্থাপন করেন। তিনি পড়াশোনার সাথে সাথেম্প সঙ্গীত, নৃত্য, নৌক, ছবি আঁকা প্রভৃতি মানুষের মধ্যে যেসকল সুপ্ত প্রতিভা আছে তার ওপর গুরুত্ব দিতেন।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

मध्यप्रदेश के बड़े नगरों में उज्जैन एक प्रमुख नगर है। उज्जैन का एक और नाम अवंतिका भी है। उज्जैन पहुँचने के लिए भोपाल अथवा इंदौर से बसों और रेलगाड़ियों कि सुविधा है। उज्जैन एक धार्मिक तीर्थस्थान है। यहाँ भारत भर से यात्रीगण महाकाल के दर्शन करने आते हैं। लोग बारह ज्योतिर्लिंगों में से उज्जैन में स्थित महाकाल का नाम श्रद्धा और भक्ति से लेते हैं। उज्जैन में प्रत्येक बारहमें वर्ष सिंहस्थ पर्व मनाते हैं। कृष्ण के गुरु सांदिपनी का आश्रम उज्जैन में ही था। कृष्ण और उनके मित्र सुदामा ने साथ-साथ सांदिपनी आश्रम में ही शिक्षा प्राप्त की थी। उज्जैन में स्थित मंगलनाथ, हरसिद्धि, बड़े गणपति, भर्तृहरिगुप्ता, एवं गोपाल मंदिर आदि अनेक प्राधीन धार्मिक स्थल हैं। उज्जैन में शिप्रा नदी को आस्तिकगण गंगा की तरह ही पवित्र मानते हैं। इसमें स्नान करना आवश्यक समझते हैं। यह नगर राजयोगी भर्तृहरि की तपोभूमि भी है। यहाँ ही भर्तृहरि ने तपस्या की थी। यहीं उन्होंने ज्ञान और सिद्धि प्राप्त की थी। ऐसा कहते हैं कि, महाकवि कालिदास यहाँ के राजा विक्रमादित्य के राज कवि थे। विक्रमादित्य उज्जैन के गौरवशाली राजा थे।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं जो पाठ में नहीं आए हैं। उन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

অনেকদিন	গাড়ী	সাম্পকেল	বকখালি	উদয়গিরি	খণ্ডগিরি
চিড়িয়াখানা	পাখি	রিক্সা	জীবজন্তু	বন্ধ	জনপ্রিয়
বেড়ানো	খাঁচা	আধুনিক	লিঙ্গরাজ	অবতার	দশ

VI. किसी भी प्रसिद्ध तीर्थ पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में पूर्ण भूतकालिक क्रिया रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का पूर्ण भूत क्रिया रूप बनाने के लिए पूर्ण वर्तमान काल के उत्तम पुरुष के रूप के बाद 'ল' (ল) जोड़कर पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

আমি গিয়েছিলাম।	(গিয়েছি + ল + আম)	मैं गया था/गई थी।
আপনি / তিনি গিয়েছিলেন।	(গিয়েছি + ল + এন)	आप/वे गए थे/गई थीं।
তুমি গিয়েছিলে।	(গিয়েছি + ল + এ)	तुम गए थे/गई थी।
তুম্প গিয়েছিলি।	(গিয়েছি + ল + ম্প)	तू गया था/गई थी।
সে গিয়েছিলো।	(গিয়েছি + ল + ও)	वह गया था/गई थी।

II. पूर्ण भूतकालिक वाक्यों के निषेधात्मक रूप पूर्ण वर्तमान काल के समान 'নি' जोड़कर बनाए जाते हैं। जैसे :

আমি যাম্প নি।	(যা + ম্প + -নি)	मैं नहीं गया था/गई थी।
আপনি / তিনি যান নি।	(যা + ন + -নি)	आप/वे नहीं गए थे/गई थीं।
তুমি যাওনি।	(যা + ও + -নি)	तुम नहीं गया था/गई थी।
তুম্প যাস নি।	(যা + স + -নি)	तू नहीं गया था/गई थी।
সে যায় নি।	(যা + য় + -নি)	वह नहीं गया था/गई थी।